Hc – अपने शिष्यों को यीशु की चेतावनियाँ और प्रोत्साहन
लूका १२:१-१२ | 1

– Save This Page as a PDF–

अपने शिष्यों को यीशु की चेतावनियाँ और प्रोत्साहन लूका १२:१-१२

खुदाई: यह भीड़ क्यों बढ़ती है? येशुआ प्रेरितों को क्या चेतावनियाँ (पद १-३) देता है? पाखंड ख़मीर की तरह कैसे काम करता है? यीशु अपने शिष्यों को डरने के साथ-साथ निडर रहने के लिए क्यों प्रोत्साहित करते हैं (पद ४-७)? पवित्र आत्मा के विरुद्ध निन्दा करने का क्या अर्थ है (पद १०)? विश्वासियों को ऐसा न करने का आश्वासन कैसे दिया जा सकता है? मानवीय विरोध का सामना करने वाले आस्तिक की सुरक्षा के बारे में मसीहा क्या सिखाता है? परमेश्वर का फैसला?

चिंतन: आपको यह जानकर कैसा महसूस होता है कि गुप्त रूप से की गई हर चीज़ एक दिन सामने आ जाएगी? आपको कब ऐसा महसूस हुआ है कि आपने वास्तविक जोखिम उठाया है और सार्वजनिक रूप से मसीह के लिए खड़े हुए हैं? आपने उस अनुभव से क्या सीखा?

इस बीच कई हजार लोगों की भीड़ जमा हो गयी; वहाँ इतने सारे थे कि वे एक दूसरे को रौंद रहे थे। पूरी तरह से ईमानदार होने के नाते, यीशु ने सबसे पहले अपने प्रेरितों से बात करना शुरू किया, उन्होंने कहा: फरीसियों के ख़मीर से सावधान रहो, जो पाखंड है। जब पवित्रशास्त्र में खमीर शब्द का प्रयोग प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है, तो यह हमेशा पाप का प्रतीक होता है, अक्सर झूठे सिद्धांत का विशिष्ट पाप होता है (देखें Ex – खमीर का दृष्टांत)। यीशु ने चेतावनी दी कि पाखंडी होना मूर्खतापूर्ण है क्योंकि ऐसा कुछ भी छिपा नहीं है जो प्रकट नहीं किया जाएगा, या ऐसा कुछ छिपा नहीं है जो प्रकट नहीं किया जाएगा। इसलिए उनके जीवन जीने के तरीके के बारे में बातें खुली होनी चाहिए, न कि दो-मुंही। जो कुछ तुम ने अन्धेरे में कहा है, वह दिन के उजाले में सुना जाएगा, और जो कुछ तुम ने भीतरी कोठरियों में कानों में फुसफुसाया है, वह छतों पर से प्रगट किया जाएगा। (लूका १२:१-३)

Hc – अपने शिष्यों को यीशु की चेतावनियाँ और प्रोत्साहन
लूका १२:१-१२ | 2



मसीहा ने बारहों (मेरे दोस्तों) को सिखाया कि
उन लोगों से मत डरो जो शरीर को मारते हैं और उसके बाद और कुछ नहीं कर सकते। लेकिन, उन्होंने कहा: मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि तुम्हें किससे डरना चाहिए: उससे डरो, जो तुम्हारे शरीर के मारे जाने के बाद तुम्हें नरक में फेंकने का अधिकार रखता है। गे-हिनोम, जिसे ग्रीक और अंग्रेजी में गेहेन्ना के रूप में लाया जाता है, आमतौर पर नरक का अनुवाद किया जाता है। वस्तुतः, हिन्नोम की घाटी (एक व्यक्तिगत नाम), यरूशलेम के पुराने शहर के ठीक दक्षिण में तब और अब दोनों जगह स्थित है। कूड़े की आग (और लावारिस शव) वहां हमेशा जलती रहती थीं, इसलिए इसे नरक के रूपक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें अधर्मियों के लिए सजा की जलती हुई आग होती है (यशायाह ६६:२४)। तानाख में अन्यत्र व्यवस्थाविवरण ३२:२२ एक जलते हुए नरक के बारे में बात करता है; दूसरा शमूएल २२:६, भजन १८:५ और भजन ११६:३ दिखाते हैं कि नरक एक दुःखदायी स्थान है; भजन ९:१७ कहता है कि दुष्ट नरक में जाते हैं; और अय्यूब २६:६ दिखाता है कि नरक विनाश का स्थान है। इन सभी छंदों में हिब्रू शब्द शोल है, जो आमतौर पर ग्रीक एड्स (हेड्स) से मेल खाता है। इस प्रकार नरक ब्रित चदाशाह की कोई नवीनता नहीं है ।

हां, मैं तुमसे कहता हूं, उससे डरो (लूका १२:४-५; मेरी टिप्पणी भी देखें यहूदा As
– वे फल के बिना पतझड़ के पेड़ हैं, समुद्र की जंगली लहरें अपनी लज्जा को झाग देती हैं, भटकते सितारे हैं)। आने वाले फैसले की अंतिमता को पहचानना महत्वपूर्ण है (देखें प्रकाशितबाक्य Fo – महान श्वेत सिंहासन निर्णय)। जब अंततः फैसला सुनाया जाएगा, तो दुष्टों को उनकी अंतिम स्थिति में भेज दिया जाएगा। पवित्रशास्त्र में ऐसा कुछ भी नहीं दर्शाया गया है कि सज़ा की प्रारंभिक अवधि के बाद मोक्ष का अवसर मिलेगा।

न केवल अविश्वासियों का भविष्य का निर्णय अपरिवर्तनीय है, बल्कि उनकी सज़ा भी शाश्वत है। मैं केवल इस विचार को अस्वीकार नहीं करता कि सभी को बचाया जाएगा; मैं इस तर्क को भी अस्वीकार करता हूं कि किसी को भी अनंत काल तक दंडित नहीं किया जाएगा। एक ओर, सर्वनाशवाद के रूप में जाना जाने वाला विचारधारा का मानना है कि यद्यपि हर किसी को बचाया नहीं जाएगा, भविष्य के अस्तित्व की केवल एक ही श्रेणी है। जो बचाए गए हैं उनका अनंत जीवन होगा, और जो नहीं बचाए गए हैं उन्हें हटा दिया जाएगा या नष्ट कर दिया जाएगा। उनका अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। यह मानते हुए कि हर कोई शाश्वत आनंद प्राप्त करने के लिए बचाए जाने का हकदार नहीं है, विनाशवाद

Hc – अपने शिष्यों को यीशु की चेतावनियाँ और प्रोत्साहन
लूका १२:१-१२ | 3

यह मानता है कि कोई भी शाश्वत पीड़ा का हकदार नहीं है।

विनाशवाद के साथ समस्या यह है कि यह बाइबिल की शिक्षा का खंडन करता है। तानाख़ और ब्रित चदाशाह दोनों ही कभी ख़त्म न होने वाली या कभी न बुझने वाली आग का उल्लेख करते हैं। यशायाह ६६:२४, पुस्तक की अंतिम पंक्ति में लिखा है: और वे निकलकर उन मनुष्यों की लोथों पर दृष्टि करेंगे जिन्होंने मुझ से बलवा किया है; क्योंकि उनके कीड़े न मरेंगे, न उनकी आग बुझेगी, और वे सारे मनुष्योंके लिये घृणित ठहरेंगे। पापियों की सज़ा का वर्णन करने के लिए यीशु उन्हीं छवियों का उपयोग करते हैं: और यदि तुम्हारा हाथ तुम्हें पाप कराता है, तो उसे काट डालो; तुम्हारे लिये यह भला है कि तुम अपाहिज होकर जीवन में प्रवेश करो, इस से कि तुम दो हाथ रहते हुए नरक में जाओ, और उस आग में जाओ जो कभी बुझती नहीं। और यदि तेरी आंख तुझ से पाप करवाए, तो उसे निकाल डाल; तेरे लिये एक आँख रहते हुए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना इस से भला है, कि दो आंख रहते हुए तू नरक में डाला जाए, जहां उनका कीड़ा नहीं मरता, और उनकी आग नहीं बुझती (मरकुस ९:४३-४८)। ये अनुच्छेद यह स्पष्ट करते हैं कि सज़ा अंतहीन है। जिस पर इसे थोपा जाता है, वह उसका उपभोग नहीं करता और इस तरह ख़त्म हो जाता है।

इसके अलावा, ऐसे कई उदाहरण हैं जहां चिरस्थायी, शाश्वत और हमेशा के लिए जैसे शब्द दुष्टों की भविष्य की स्थिति को दर्शाने वाले संज्ञाओं पर लागू होते हैं: आग या जलन (यशायाह ३३:१४; यिर्मयाह १७:४; मती १८:८, २५:४१) ; यहूदा ७), अवमानना (दानिय्येल १२:२), विनाश (दूसरा थिस्सलुनीकियों १:९), जंजीरें (यहूदा ६), और पीड़ा (प्रकाशितवाक्य १४:११, २०:१०)। विशेष रूप से, मत्ती २५:४६ कहता है: तब वे अनन्त दण्ड भोगेंगे, परन्तु धर्मी अनन्त जीवन पाएँगे। यदि एक (अनन्त जीवन) अनन्त अवधि वाला है, तो दूसरा (अनन्त दण्ड) भी अनन्त अवधि वाला होना चाहिए।

क्या पाँच गौरैयाएँ दो पैसे में नहीं बेची जातीं, शाब्दिक अर्थ में, दो अस्सारियन, या दो सबसे छोटे रोमन सिक्के? फिर भी उनमें से एक भी परमेश्वर द्वारा भुलाया नहीं गया है। सचमुच, तुम्हारे सिर के सब बाल गिने हुए हैं। डरो मत; तुम बहुत गौरैयों से अधिक मूल्यवान हो (लूका १२:६-७)। यह उदाहरण विश्वासियों को आश्वस्त करता है कि अडोनाई के बच्चों के रूप में, हम उसके लिए गौरैया से कहीं अधिक मूल्यवान हैं। परिणामस्वरूप, हमें आश्वस्त होना चाहिए कि ईश्वर हमारे जीवन के हर पहलू को जानता है और उस पर शासन करता है। येशुआ अपने शिष्यों से यह भी कह रहा था कि वह उनके उत्पीड़न के बीच में उनकी देखभाल करेगा जो अंततः उनके स्वर्गीय घर में पिता के साथ रहने के लिए वापस जाने के बाद आएगा (देखें Mr – यीशु का स्वर्गारोहण)।

लूका १२:८-१० में मेशियाक जो बात कह रहा है, वह यह है कि प्रेरितों को चुनाव करना होगा: मैं तुमसे कहता हूं, जो कोई सार्वजनिक रूप से मुझे दूसरों के सामने स्वीकार करेगा, मनुष्य का पुत्र भी परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने स्वीकार

[illegible] (Em – [illegible]) [illegible]

[illegible]